WWF for a living planet

WWF India
172-B Lodi Estate,
New Delhi 110003

Tel: +91 11 41504797
E-mail:
aatroley@wwfindia.net
www.wwfindia.org

प्रेस विज्ञप्ति

मनुष्य के पदचिन्ह प्राकृतिक संसाधनों पर भारी

नयी दिल्ली ‚ 1 नवम्बरः विश्व के पारिस्थितिकी तंत्र को हमने जितनी तेजी से आज दूषित किया है उतना मानव इतिहास में पहले कभी नहीं किया । देश के सबसे बड़े और सबसे अनुभवी संरक्षण संगठन – डब्लूडब्लूएफ इंडिया द्वारा जारी वैश्विक रिपोर्ट में ये बात कही गई है ।

प्राकृतिक विश्व की स्थिति पर डब्लूडब्लूएफ के द्विवार्षिक विवरण ‚पृथ्वी पर जीवन रिपोर्ट 2006 में कहा गया है कि अगर संसाधन बचे रहे तो वर्तमान अनुमानों के मुताबिक 2050 तक मानवता दो ग्रहों के बराबर प्राकृतिक संसाधनों का इस्तेमाल कर लेगी । रिपोर्ट में पहले के वर्षो में जारी की गई पृथ्वी पर जीवन रिपोर्ट में जैवविविधता को हुए नुकसान की प्रवृत्ति की भी पुष्टि की गई है ।

डब्लूडब्लूएफ के महासचिव और सीईओ रवि सिंह ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा :" हम गंभीर पारिस्थितिकीय अतिक्रमण का सामना कर रहे हैं ‚ प्रकृति जितना हमें दे नहीं पाती हम उससे कहीं ज्यादा संसाधनों का उपभोग कर रहे हैं । भारत के राष्ट्रीय पारिस्थितिकी पदचिन्ह उसकी जैव क्षमता से 50ः ज्यादा हैं। उन्होंने कहा ‚" पृथ्वी की प्राकृतिक प्रणाली पर हमारे बढ़ते दबाव के गंभीर परिणाम होंगे । पिछले दशक में भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास के साथ साथ पदचिन्ह भी बढ़े हैं । भविष्य में यह जरूरी है कि विकास के मामले में भारत पश्चिम की नकल नहीं करे बल्कि कुछ ऐसा करे जिससे हम पोषणीय जीवन शैली दे सकें । अब समय आ गया है जब हम अपनी पृथ्वी के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी को समझें और इसकी रक्षा और संरक्षण के लिए प्रयास करें "

रिपोर्ट के अनुसार संसाधन कम हो रहे हैं । पिछले 33 वर्षो में अर्थात 1970 से 2003 तक रीढ़ की हड्डी वाली प्रजातियों में एक तिहाई की कमी हुई है । इसी के साथ ही प्रकृति पर मनुष्य की मांग – मानवता के पारिस्थितिकी पदचिन्ह – इस सीमा तक बढ़े हैं जहां पृथ्वी उन्हें उस अनुपात में दोबारा पैदा नहीं कर पा रही है । रिपोर्ट में कहा गया है कि सबसे ज्यादा उपभोग करने वाले देश जैसे पश्चिमी यूरोप और उत्तरी अमेरिका और अधिक आबादी वाले देश जैसे भारत और चीन में पदचिन्ह सबसे अधिक दिखाई देते हैं ।

अब समय आ गया है कि हम कुछ महत्वपूर्ण विकल्पों का चुनाव करें । ऐसे परिवर्तन लाना जिनसे प्रकृति को कोई नुकसान नहीं हो और हमारा जीवन स्तर भी सुधरे, आसान नहीं होगा। आज हम जिन शहरों, बिजलीघरों और मकानों का निर्माण कर रहे हैं ‚ उनके कारण अत्यधिक खपत होने से या तो हम स्वयं को एक परिस्थितिकीय आपदा की ओर ले जा सकते हैं या भावी पीढ़ी को पोषणीय जीवन शैली के लिए प्रेरित कर सकते हैं।

पृथ्वी पर जीवन रिपोर्ट 2006 विभिन्न आंकड़ों को एकसाथ लाकर दो सूचकांको पर बनाई गई है ।

पहली ‚ पृथ्वी पर जीवन सूचकांक जैव विविधता को दर्शाती है जो विश्व भर में मौजूद 3600 से अधिक जीव जंतुओं में से रीढ़ की हड्डी वाली 1300 प्रजातियों की प्रवृत्तियों पर आधारित है । इसमें स्थल में रहने वाली 695 ‚ मीठे पानी में रहने वाली 344 और समुद्र में रहने वाली 274 प्रजातियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया गया है । इसके बताया गया है कि स्थल में रहने वाली प्रजातियों की संख्या में 31 प्रतिशत ‚ मीठे पानी में रहने वाली प्रजातियों की संख्या में 28 प्रतिशत और समुद्री पानी में रहने वाली प्रजातियों की संख्या में 27 प्रतिशत कमी आई है ।

दूसरी तालिका, पारिस्थितिकी पदचिन्ह, में जीवमंडल में मनुष्य की मांग की जानकारी दी गई है । 1961 से 2003 के बीच मानवता के पदचिन्ह तीन गुना बढ़े हैं । इस रिपोर्ट से पता चलता है कि 2003 में हमारे पदचिन्ह जैव क्षमता से 25 प्रतिशत ज्यादा थे । पिछली रिपोर्ट में (2001 के आंकड़ों पर आधारित), ये संख्या 21 प्रतिशत थी । जीवाश्म ईंधन के इस्तेमाल से प्राप्त कार्बनडाइक्साइड के पदचिन्ह हमारे विश्व पदचिन्ह के सबसे तेजी से बढ़ने वाले संघटक हैं जो 1961 से 2003 तक नौ गुना बढ़े हैं ।

Notes to the Editor:

1. डब्लूडब्लूएफ इंडिया के बारे में :

डब्लूडब्लूएफ इंडिया देश में वन्य जंतु और प्रकृति के संरक्षण में जुटा सबसे बड़ा संगठन है । इस संगठन की स्थापना 1969 में एक चैरिटेबल ट्रस्ट के रुप में की गई थी जिसका इस क्षेत्र में तीन दशक से भी ज्यादा समय का अनुभव है । सामान्य शुरुआत के साथ संगठन अपने संस्थापकों और सहयोगियों की मदद से आगे बढ़ा । इन लोगों ने इस आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिये अपना कीमती समय और शक्ति प्रदान की ।

संगठन डब्लूडब्लूएफ इंटरनेशनल का हिस्सा है । संगठन ने न केवल प्रकृति और वन्य जंतु संरक्षण की दिशा में निरंतर योगदान देकर अपनी उपस्थिति बनाए रखी है बल्कि पर्यावरण के प्रति भी लोगों में भी जागरुकता पैदा की है ।

चुनौतियों से भरा, रचनात्मक और वैज्ञानिक आधार वाला ये संगठन प्रजातियों और उनके रहने की जगहों, मौसम परिवर्तन और पर्यावरण शिक्षा जैसे मुद्दों को उठाता है ।

2. पृथ्वी पर जीवन रिपोर्ट के बारे में :

पृथ्वी पर जीवन रिपोर्ट 2006 पृथ्वी पर जीवन प्रकाशनों की श्रृंखला में छठी है । इस रिपोर्ट को **www.wwfindia.org** *से डाउनलोड किया जा सकता है ।*

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :
अंशुमन अटरौली,
कम्युनिकेशन्स मैनेजर,
Phone: +91 11 41504797
E-mail : aatroley@wwfindia.net
Website : www.wwfindia.org